

Pfarre Mariahilf Bregenz

26. So. im JK C 28. September 2025

Ritterorden vom HI. Grab zu Jerusalem

Liedplan

| | | |
|---------------------------------|--------------|--|
| Einzug | | Orgel |
| Eröffnung | 927 | Wer glaubt, ist nie allein |
| Kyrie | 157 | Herr. Erbarme dich |
| Gloria | 172 | Gott in der Höh |
| 1. Lesung | | |
| Antwortgesang | 58 | Lobe den Herrn, meine Seele |
| 2. Lesung | | |
| Evangeliumsruf | 862 | Hallelu, halleluja, preiset den Herrn |
| Evangelium | | |
| Credo | | |
| Fürbitten | | |
| Gabenbereitung | 188 | Nimm, o Gott, die Gaben, die wir bringen |
| Sanctus | 767 | Heilig |
| Geh. des Glaub. AMEN | 775 201,3 | Deinen Tod, o Herr Amen |
| Vater unser | | |
| Agnus Dei | | gesprochen |
| Kommunion | | Orgel |
| Danklied | 487 | Nun singe Lob, du Christenheit |
| Schlussgebet | | |
| Schlusslied | 521 | Maria, dich lieben |
| Ankündigungen | | |
| Auszug | | Orgel |

Dienste

| | |
|------------------|--------------|
| | 10:00 |
| Organist | Helmut |
| Kantor | Reinhold |
| Mesner | Irene |
| Lektor | Birgit |
| Kommunion | Gerda |

Anschlagtafel

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 2 | 7 | 1 | 5 | 7 |
| 1 | 7 | 2 | | 5 | 8 |
| 8 | 6 | 2 | 1 | 8 | 8 |
| 7 | 6 | 7 | 4 | 8 | 7 |
| | | 5 | 2 | 1 | |
| | | | | | |